CHAPTER 10, आत्मा का ताप

PAGE 125, प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ

11:1:10:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ:1

1. रज़ा ने अकोला में ड्राइंग अध्यापक की नौकरी की पेशकश क्यों नहीं स्वीकार की?

उत्तर : लेखक को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जे जे स्कूल ऑफ आर्ट्स, बॉम्बे (अब मुंबई) में नामांकन के लिए छात्रवृत्ति दी गई थी। लेकिन जब वे अमरावती के गवर्नमेंट नॉर्मल स्कूल से त्यागपत्र देकर बम्बई पहुंचे तो दाखिला बंद हो चुका था। सरकार ने छात्रवृति वापस ले ली तथा अकोला में ड्राइंग टीचर के पद की पेशकश किया। परन्तु लेखक ने पेशकश ठुकरा दी। क्यूंकि लेखक को मुंबई का वातावरण, आर्टगैलरियां और मित्र पसंद आ गए थे। वह मुंबई में चित्रकारी सीखने की उत्कट इच्छा से मुंबई गए।

11:1:10:प्रश्न - अभ्यास - पाठके साथ:2

2. बंबई में रहकर कला के अध्ययन के लिए रज़ा ने क्या-क्या संघर्ष किए**?**

उत्तर : कला का क्षेत्र हमेशा संघर्ष, त्याग, तपस्या और धैर्य की परीक्षा पर अपने कलाकार का परीक्षण करता है। अन्य कलाकारों की तरह, रज़ा को इस प्रक्रिया से गुज़रना पड़ता है। जब रज़ा बंबई आए, तो उन्हें पहले एक्सप्रेसब्लॉक स्टूडियो में एक डिजाइनर की नौकरी मिल गई। लेकिन उन्हें रहने के लिए उपयुक्त जगह नहीं मिली तो वे अपने किसी परिचित ड्राइवर के ठिकाने पर रात बिताते थे। उनकी दिनचर्या बहुत कठिन थी। सुबह दस बजे से शाम के छह बजे तक नौकरी और फिर मोहन आर्ट क्लब में पढ़ाई के लिए उसके बाद जैकब सर्कल (ड्राइवर के घर) जाकर सो जाते थे। कुछ दिनों बाद उन्हें स्टूडियो के कला विभाग में एक कमरा मिल गया फिर भी उन्हें नीचे सोना पड़ता है। रात में ग्यारह बजे तक चित्रकारी बनाते थे । रज़ा इस तरह के संघर्श कला के अध्ययन के लिए मुंबई में किया।

11:1:10:प्रश्न - अभ्यास - पाठके साथ:3

3. भले 1947 और 1948 में महत्त्वपूर्ण घटनाएँ घटी हों, मेरे लिए वे कठिन बरस थे - रज़ा ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर: रज़ा ने 1947 और 1948 को कठिन वर्षों में गिनती करते है क्योंकि उसी समय उनकी माँ की मृत्यु हो गई और उनके पिता को मंडला लौटना पड़ा। जहाँ अगले वर्ष उनकी भी मृत्यु हो गई और सभी जिम्मेदारियाँ रज़ा के पास चली गईं। 1947 में देश स्वतंत्र हो गया। लेकिन सभी को विभाजन की त्रासदी का भी सामना करना पड़ा। फिर 1948 में गांधीजी की हत्या ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इन सभी बातों का रज़ा पर भी गहरा असर पड़ा। इन सारी घटनाओं के कारण ही लेखक ने इन वर्षों को कठिन बरस कहा।

11:1:10:प्रश्न - अभ्यास - पाठके साथ:4

4. रज़ा के पसंदीदा फ्रेंच कलाकार कौन थे?

उत्तर : रज़ा के पसंदीदा फ्रेंच कलाकार सेजाँ,वॉनगौज,गोगाँपिकासो,मातीस,शागाल,और ब्रौक थे।

11:1:10:प्रश्न - अभ्यास - पाठके साथ:5

5. तुम्हारे चित्रों में रंग है, भावना है, लेकिन रचना नहीं है। तुम्हें मालूम होना चाहिए कि चित्र इमारत की तरह बनाया जाता है - आधार, नींव, दीवारें, बीम, छत; और तब जाकर वह टिकता है - यह बात

क. किसने,किस संदर्भ में कही?

ख. रज़ा पर इसका क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर :

(क) यह बात विख्यात फोटोग्राफर हेनरीकार्तिए-ब्रेसाँ ने अपनी श्रीनगर की यात्रा के दौरान सैयद हैदर रज़ा के चित्रों को देखकर कहा था। उन्होंने कहा की पुष्तक में सामग्री होनी चाहिए जैसे भवन निर्माण में होती है। चित्रकारी के लिए रचना की आवश्यकता होती है। उन्होंने रज़ा को सेजाँ के चित्र देखने की सलाह दी।

(ख) फ्रांसीसी फ़ोटोग्राफ़र की सलाह का रज़ा पर गहरा

प्रभाव पड़ा और वे बॉम्बे लौट आए और फ़्रेंच सीखने के लिए अलयांसफ्रांस में नामांकन कराया। उन्हें पहले से ही फ्रांसीसी चित्रकला में रुचि थी लेकिन अब वे इसकी बारीकियों को समझने लगे। इससे उन्हें फ्रांस जाने का मौका मिला।

PAGE 126, प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास

11:1:10:प्रश्न - अभ्यास - पाठके आसपास:1

6. रज़ा को जलील साहब जैसे लोगों का सहारा न मिला होता तो क्या तब भी वे एक जाने-माने चित्रकार होते? तर्क सहित लिखिए।

उत्तर : सच्ची और वास्तविक प्रतिभा छिपती नहीं है। रज़ा एक ऐसे कलाकार थे जिनकी चित्रकार बनने की गहरी इच्छा थी और इसके साथ ही उनकी कला के प्रति पूर्ण समर्पण भी था। जलील साहब के कारण उन्हें आर्थिक कठिनाइयों से राहत मिली परन्तु चित्रकार बनने की अदम्य इच्छा, संघर्ष, दृढ़ संकल्प और धुन

रज़ा की थी। इसी कारण यदि ज़लील साहब जैसे लोग नहीं भी मिलते तो भी एक प्रतिष्ठित चित्रकार होते। रज़ा की दृढं इच्छाशक्ति ही उन्हें एक महान चित्रकार बनाती है।

11:1:10:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के आसपास:2

7. चित्रकला व्यवसाय नहीं, अंतरात्मा की पुकार है - इस कथन के आलोक में कला के वर्तमान और भविष्य पर विचार कीजिए।

उत्तर : यह सत्य है की चित्रकला अंतरात्मा की पुकार है ना की व्यवसाय। कोई भी कला अंतरात्मा की पुकार ही होती है। हर कलाकार को कला के व्यवसायिकता से बचना होगा। आजकल पूर्णतया व्यावसायिक हो गयी है। इसके दोषी कलाकार भी है क्योंकि वे व्यवसायकिता फंस चुके है। इसी कारण आजकल कलाकार का मुख्य उद्देशय अधिक से कमाना रह गया है। इसीलिए स्तर अब गिरता जा रहा है। कलाकार आज भी कालजयी रचना कर सकते है अगर वे अपनी कला को अपनी अंतरात्मा से जोड़ दे। परन्तु अब कोई भी कलाकार परिश्रम नहीं करना चाहता है उनके अंदर शीघ्रता से सब कुछ पाने की

इच्छा मात्र रह गयी है।

11:1:10:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के आस पास:3

8. हमें लगता था कि हम पहाड़ हिला सकते हैं - आप किन क्षणों में ऐसा सोचते हैं?

उत्तर : यह एक बहुत ही प्रेरणादायक और उत्साहजनक वाक्य है, जो हर व्यक्ति में जागृत होती है जब वह जोश, उत्साह, क्षमता और जुनून से भरा होता है और कुछ भी करने के लिए प्रेरित होता है। मुझे लगता है कि उन क्षणों में, जब समस्या बहुत बड़ी है लेकिन समाधान का कोई स्रोत नहीं है। कोई भी उस स्थिति में मदद करने की स्थिति में नहीं है और जैसे ही मुझे एहसास होता है कि मुझे इसे स्वयं करना है। इस से मै अपने आप को प्रेरित करता हूँ। खुद को ही असीम शक्तिशाली और सामर्थ्यवान मान लेता हूँ और स्वयं से कहता हूँ कि “ये क्या है मैं तो पहाड़ हिला सकता हूँ।”

PAGE 126, प्रश्न - अभ्यास - भाषा कीबात

11:1:10:प्रश्न - अभ्यास - भाषा की बात:1

1. जब तक मैं बंबई पहुँचा, तब तक जे.जे.स्कूल में दाखिला बंद हो चुका था - इस वाक्य को हम दूसरे तरीके से भी कह सकते हैं। मेरे बंबई पहुँचने से पहले जे.जे.स्कूल में दाखिला बंद हो चुका था।

नीचे दिए वाक्यों को दूसरे तरीके से लिखिए -

क. जब तक मैं प्लेटफ़ॉर्म पहुँचती तब तक गाड़ी जा चुकी थी।

ख. **जब तक डॉक्टर हवेली पहुँचता तब तक सेठ की मृत्यु हो चुकी थी।**

ग. जब तक रोहित दरवाज़ा बंद करता तब तक उसके साथी होली का रंग लेकर अंदर आ चुके थे।

घ. जब तक रूचि कैनवास हटाती तब तक बारिश शुरू हो चुकी थी।

उत्तर :

(क) जब मैं प्लेटफार्म पर पहुंचा तब देखा कि गाड़ी जा चुकी है।

(ख) डॉक्टर के हवेली आने से पहले ही सेठ जी की मृत्यु हो

चुकी थी।

(ग) रोहित अपना दरवाज़ा बंद करता कि उस से पहले उसके साथी होली का रंग लेकर अन्दर आ चुके थे।

(घ) रूचि जब तक कैनवास हटाती कि उस से पहले बारिश शुरू हो चुकी थी।

11:1:10:प्रश्न - अभ्यास - भाषा की बात:2

2. आत्मा का ताप पाठ में कई शब्द ऐसे आए हैं जिनमें ऑ का इस्तेमाल हुआ है, जैसे - ऑफ, ब्लॉक, नॉर्मल।

नीचे दिए गए शब्दों में यदि ऑ का इस्तेमाल किया जाय तो शब्द के अर्थ में क्या परिवर्तन आएगा?

दोनों शब्दों का वाक्य-प्रयोग करते हुए अर्थ के अंतर को स्पष्ट कीजिए -

हाल, काफ़ी, बाल

उत्तर :

1. हाल-दशा : मोहन का हाल ख़राब है ।

हॉल-बड़ा कमरा : हमारे स्कूल के हॉल में प्रदर्शनी लगी है ।

2. काफी-पर्याप्त : मेरे लिए इतनी जगह काफी है।

कॉफ़ी-एक पेय : सर्दियों में कॉफ़ी पीने का मज़ा ही कुछ और है।

3. बाल - केश : अल्पना के बाल बहुत लम्बे और सुन्दर हैं।

बॉल - गेंद : उसने फिर से बॉल मारकर खिड़की के कांच तोड़ दिए।